

प्रेस विज्ञप्ति

**श्रीअन्न के लिए अलग-अलग मंत्रालयों और सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सिज से होगा  
एमओयू, ईट राइट समिट 2023 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सचिव और  
एफएसएसएआई अध्यक्ष का एलान**

“आइए इस श्रीअन्न क्रांति में हम सभी अपनी आहूति दें” - श्री सुधांशु पंत, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा चेयरपर्सन, भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर 2023 - भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) के तत्वावधान में दिल्ली के विज्ञान भवन में ईट राइट समिट 2023 का आयोजन किया गया। अंतरराष्ट्रीय मिल्लेट वर्ष 2023 के आलोक में इस समिट का थीम ‘श्री अन्न’ रखा गया था। एक पूरे दिन के इस समिट में भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव तथा एफएसएसएआई के अध्यक्ष श्री सुधांशु पंत और एफएसएसएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री जी कमलवर्धन राव समेत कई विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया तथा अपने-अपने बहुमूल्य विचार व्यक्त किए।

समिट के उद्घाटन सत्र में अपने मुख्य भाषण के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव तथा एफएसएसएआई के अध्यक्ष श्री सुधांशु पंत ने कहा कि देश में प्रीवेंटिव हेल्थ केयर पर जोर दिए जाने की आवश्यकता है और इसके लिए खान-पान में आवश्यक बदलाव करना सबसे आवश्यक है। श्री पंत ने श्रीअन्न को इसका एक अच्छा विकल्प बताया। उन्होंने सलाह दी कि स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा देश भर में जिन हेल्दी और हाइजेनिक फूड स्ट्रीट का अपग्रेडेशन हो रहा है, उनमें श्रीअन्न आधारित व्यंजनों की भी कुछ दुकानें होना एक अच्छा प्रयास हो सकता है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव तथा एफएसएसएआई अध्यक्ष श्री सुधांशु पंत ने देश में श्रीअन्न को लेकर आ रही जागरूकता को श्रीअन्न क्रांति के नाम से पुकारा और आह्वान किया इस क्रांति में हम सबको अपनी-अपनी आहूति देनी होगी।

श्री पंत ने एफएसएसएआई और रक्षा मंत्रालय के बीच श्रीअन्न को लेकर हुए एमओयू का जिक्र करते हुए कहा कि जिस प्रकार देश की रक्षा करने वाले जांबाज सैनिकों के लिए हेल्दी रेसिपी तैयार की गई है, उसी प्रकार बाकी मंत्रालयों और सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सिज के साथ एमओयू के माध्यम से श्रीअन्न आधारित भोजन को

अधिक से अधिक लोगों की थाली तक पहुँचाया जा सकता है तथा इसके अलावा दूसरे तरीकों से भी श्रीअन्न के फायदों को लोगों तक पहुँचाया जा सकता है।

समिट में हिस्सा लेते हुए देश की जानी-मानी स्वास्थ्य एवं पोषण सलाहकार डॉक्टर शिखा शर्मा ने दो प्रकार के भोजन का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अब तक हमलोग हल्दी डाइट्स पर जोर देते हैं। लेकिन कुछ भोजन हीलिंग डाइट्स होते हैं। हल्दी का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि दाल या सब्जी में हल्दी डालना हल्दी डाइट का हिस्सा है, लेकिन दूध के साथ हल्दी डालकर पीना हीलिंग डाइट का हिस्सा है। डॉक्टर शिखा ने चिंता जताते हुए कहा कि कोविड के बाद अचानक हार्ट अटैक की घटनाएँ बढ़ी हैं और हीलिंग डाइट से ऐसी समस्याओं को संभाला जा सकता है और श्रीअन्न हीलिंग डाइट का बेहतर विकल्प हो सकता है।

इनके अलावा तीन अलग-अलग सत्रों में श्रीअन्न को लेकर अलग-अलग विशेषज्ञों ने गहन विचार-विमर्श किया। ईट राइट मूवमेंट को देश की खाद्य व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कर्नल विकास हुडा ने फाइव(पाँच)-ई अर्थात - एजुकेट, इक्वीप, इनश्योर, इग्जामिन एंड इनक्वायर का फॉर्मूला सुझाया। चिकित्सकों और न्यूट्रिनिस्ट्स के डिस्कशन पैनल ने सलाह दी कि श्रीअन्न को भोजन का हिस्सा बनाना तो चाहिए, लेकिन धीरे-धीरे। अचानक श्रीअन्न को संपूर्ण भोजन बनाने की कई चुनौतियाँ हो सकती हैं।

सीआईआई तथा हर्बलाइफ के सहयोग से आयोजित ईट राइट समिट 2023 में छात्र-छात्राओं समेत अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया तथा पैनल डिस्कशन के दौरान महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे।